च्याखारिक ग्रान्था। उत्तर्भाग्या

णवूनीलनी व.व

)ate:7/1/21

(त) रामारीतः विभागात् राउरा =

यागिरे नियुष्ठ लक्षा प्रायुष्ठ शायारे कावता प्रवाता प्रताता

यन्थारु प्रयम्भिद्यण यां न्याहि जास्त्र भावति भर प्रदेशा याग् य शासाम जाजवारी यवं दावप जास्त वासे। तर न्याणि यद्विल ० प्रियं यां न्याणि पावरा यारा।

ं विलिय का शाहि : २०,०१०

G90: 70,090

विवा शासाद क्यां =

त्ताहि थियेव थक्न कार्येव अतित कार्येव व्यव्य

उन्थाय प्रकालिक यान्थ्याहि व्याख्यन्यान्यम् अय प्रव्या ठाउँ छ व्यावतः व प्यायकं द्यातं याम काह्यः प्यकु। वरे न्याण यवेशैप्पाल ० यथितं या न्यापि साद्री हारी।

ं विष्यं या न्याहि उ०.०१० ७०,००६

देउदा: २०,०१० ७०,००४

পিঞ্চান্ন হাজায়ে চায়তা =

তেগাটি নিয়ত লক্ষ ভায়ত হাজাত কাতক দলাক একক

ও ও ও ৪ ০ ০

राय य निर्वय यान्याहि ७८८००।

ं निर्निय याः शाहिः CG, 800

रिङ्य : CG,800 ।

(७४) ग्रम्थावाः छात्र नकः माह शायाः =

लगिष्ट निर्मुष्ठ नकार प्रमुख शायात् काष्युर प्रवास्त

वन्थाय प्रतन्त्रिक यान्या प्राये त्रिक त्रिक विकास कि व्यक्ति यार्थ विकास वितास विकास वितास विकास वित

ं. निर्निय यान्थारिः ४,०७,०००

रिउरा: ४,०७,०००।

মাত লক্ষ্য দুই সাজাত্ব পঁচাওৱা =

तिगृष्ठ लक्ष्ण प्रयूष शास्त्र अष्ट्य प्रवाद प्रवाद

বিংখায় প্রবাশনিত মান্থ্যাটি অপ্রক্রপাতনের পর্ দেখা যায় যে অযুত, ও নাতবেল্ট হারু বেশন অপ্রক নেই। এই থানিহার্মুনোতে ০ ব্যমিয়ে মান্থ্যাটি পাওয়া যায়।

. ०० ः सीएन्स्ट प्रत्यावा

: निर्विद्य या॰ थ्यािष्टिः १,० २,०१७

िख्यः १,०२,०१७।

(अ) यद्याशीनः क्रियाञ्च नद्य नय शप्याप यञ्च =

त्वाहि निर्वे अक्षेत्र कार्ये अर्थि अर्थ व्यव्य

হাত্মপুলোত ০ বহিছে হাত্মপাত্ত পাওয়া হায় হাত্মপুলোত ভাৰ্মনিত ভাল্পাত্ত বিশ্ব বিশ্ব আৰু বেই। খ্যাপ্র হাত্মপুলোত তাজ্মপাত্ত সাম্বা

्रिलियु चाल्थािष्टिः १५,०२,०२०।

G30: 94,02,0901

তিল লয়া নয়ল চাত =
তেপতি নিয়ত লক্ষ্য তায়ত হাজায় কাতত দলত একক

साअशा ठारी हो व्यास्त्र एवड़ । ताड़ काण्य द्येशिषात्व ० त्रायतं द्या प त्रित प्रका ठारी व्या व्यास्त्र व्यास्त्र द्या प्रकाशि व्यास्त्र व्यास्त्र

ं निर्लय ग्रान्थाहि: ७०,००, २०४ । टिउप: ७०,००,२०४।

(रा) राघारान: प्रांठ त्याि जिन नकः पूरे शाजार जाण= त्याि निराण नकः ण्याण शाजार व्याण स्वापः ७ राजाः ८ ० ० ० २

उन्थार प्रकाणिव उत्थानि ज्यक्ष भावत्त भर् प्रथा विश्व शाह्य प्रकारि उत्थानि व्यक्ष भावत्त भर् प्रथा विश्व भावत् व्यक्ष भावत्त्र भर् प्रथा विश्व भावत् व्यक्ष भावत् व्यक्ष भावत् व्यक्ष भावत्त्र भर् प्रथा विश्व भावत् व्यक्ष भावत् व्यक्ष भावत् व्यक्ष भावत्त्र भर् प्रथा विश्व भावत् व्यक्ष भावत् व्यक्ष भावत् व्यक्ष भावत्त्र भर् प्रथा विश्व भावत् व्यक्ष भावत् व्यक्ष भावत् व्यक्ष भावत्त्र भर् प्रथा विश्व भावत् व्यक्ष भावत्त्र भर् प्रथा विश्व भावत् व्यक्ष भावत्त्र भर् प्रथा विश्व भावत् व्यक्ष भावत् व्यक्ष भावत्त्र भर् प्रथा विश्व भावत्त्र भर् प्रथा विश्व भावत्र विश्व भावत् व्यक्ष भावत्त्र भर् प्रथा विश्व भावत्त्र भर् प्रथा विश्व भावत्र भर्ष प्रथा विश्व भर्ष भर्ष प्रथा विश्व भर्य विश्व भर्ष प्रथा विश्व भर्य विश्व भर्य विश्व भर्य विश्व भर्य विश्व भर्य विश्व भर्य विश्व भ्या विश्व भ

ं निर्विद्य द्या॰ श्राहिः ७,०७,०२,००१ डिक्ट्रः ७,०७,०२,००१। (अरागीन: णानिनरारे त्याि याण नका प्रांत शराहा नर् विगिरि निराण नका प्राराण शराहा अण्य प्याप अप्याप १ ० ० ० न

কিথায় প্রবাজিত স্থাভিত প্রজ্ঞাতি আজ্ঞাতি আজ্ব পর দেখা যায় তা নিয়ত, অযুত, কাতক ও দলকের হার্ব বোন আজ্ব বিহি। এই খানিষমুগ্রনোত ০ বিঘিটে জ্ঞাম্বা সভ্যাতি পাওয়া যাত

ं निर्ण या॰ था। हि : निर, ०५,०७,००न व्याह

दिख्यः कार, 09,0G,00न।

(b) राशावाधाः त्यळा मेर् प्राष्ट्र हात्यां आकरा स्थाव व्यव्याः प्राष्ट्रि थिंद्रीत अश्चा वाद्रीत हात्यां आकरा प्राक्र्य व्यव्यव्या

उण्थार ध्रमिकि राज्याहि जस्किपाछल् भर् एथा यारा य निर्वेष, नक्ष, क्रमूक ७ व्यर्ष्य याप् तण्त क्रस्य नके। वर्षे थानिय्प्रमुखाछ ० यिराय राज्या याप : निर्ने यान्था। हि: २०२,००,०७, १०৮

7690: 207,00,0G,906 1

(क) राशाचान: नराका भकान ताहि राज नक नकरे तिग्रि नियुक नक छायुक शकार अक्ट प्रवाद व्यक् नक्क 0 9 0 0 ने 0

तन्श्य प्रकानिक यान्याहि जान्य पान्य प्रति प्रका यार् य नियुक , जायूक , शान्य ७ कान्य प्रति प्रका यार्ग पान्य तन्त्रे । वरे थानियद्वप्रकाक ० प्रतियं यान्याहि भाष्या यार्ग

THE PROPERTY OF THE PARTY OF TH

FOR THE RESIDENCE WITH A DESCRIPTION OF THE PERSON

The state of the s

ं निर्वारं शाल्यािष्टिः नेद्रु,०१,००,०न०

पेंड्यः acc,०१,००,०a० ।